OM-24 - 2021 FILE_Page 1 and 2 04/03/2021 10:43 PM Page 9

पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

समस्या का समाधान करने का दम रखता है मन

आज की दुनिया में हमको एक विचार से सुख मिल सकता है, एक विचार से शांति मिल सकती है, एक विचार से आनंद मिल सकता है। आपको सुख कौन देता है? एक विचार ही तो आपको सुख देता है ना! या आपको एक छोटा सा थॉट जिस चीज़ के लिए आप क्रियेट करते हैं वो आपको सुख देने लग जाता है! ज़्यादा क्या इसमें सोचने की आवश्यकता है। लेकिन जब भी हमारे अन्दर कोई तनाव के ऐसे भाव आते हैं उस समय सबकुछ धरा का धरा रह जाता है। और विचार हमें तकलीफ पहुँचाने लग जाते हैं। तो हर समस्या का समाधान तो है, लेकिन इसका मतलब हमारे मन के अन्दर। लेकिन हम उसको पहचान नहीं पा रहे हैं।

आज की दुनिया में एक बात और ज़्यादा हमको दुःख देती है या ये कहें कि परेशान करती है कि आने वाले समय में कुछ ऐसा न हो या हमारे पास ऐसा कुछ साधन है नहीं, हमारे पास ऐसी स्थिति नहीं है जिससे इस समस्या का समाधान मैं कर पाऊंगा। आने वाले समय में ये सबकुछ होने वाला ही है। अब ये समस्या जो आप सोच रहे हैं ये न चाहते हुए भी अभी हम उसको फील कर रहे हैं। होगी, नहीं होगी ये हमें बिल्कुल भी नहीं पता। लेकिन उसको फील कर करके जो आप तकलीफ महसूस कर रहे हैं ये हमको बहुत डिस्टर्ब करेगी या हमको बहुत परेशान करेगी। अब आने वाले समय के लिए आप ये सोचो कि अगर ये समस्या आ गई तो उस समय क्या स्थिति होगी? और इस समय जो आपने अपने आपको रियलाइज़ करा दिया वो भी उस समय ट्रैवल करके जायेगा। तो बहुत सावधान रहिए। हमारा हरेक विचार जिस तरह से दुनिया में कहा जाता है बीमारी ऐपिडेमिक है, ये बीमारी ट्रांसफेरेबल है। ऐसे ही हमारे थॉट भी ट्रांसफर कर जाते हैं। और वो ट्रांसफर करने वाला कोई और नहीं, वहाँ तो कोई व्यक्ति, व्यक्ति को ट्रांसफर कर रहा है। यहाँ तो हम अपने जो विचार क्रियेट कर रहे हैं, जो विचार सोच रहे हैं वो ऑटोमेटिकली हमारे द्वारा ही कुछ दिन बाद 4 महीने, 6 महीने, 8 महीने, 10 महीने बाद हमारे पास आना ही है लौट कर। तो भविष्य की बात हम करते हैं ना, तो उसको भूल जायें क्योंकि हमारा वर्तमान ही हमारा भविष्य बनेगा। हमारा वर्तमान ही भूत बनेगा या पास्ट बनेगा। तो हमको काम तो सिर्फ वर्तमान पर करना चाहिए। और बार-बार इन विचारों को लाने के लिए भी किसी ऐसे सहारे की भी ज़रूरत नहीं है। अरे, हमारे पास दम है। हमारे पास मन के अन्दर शक्ति है। हम

जब चाहें, जिस समय चाहें, जैसा चाहें वैसा विचार अपने अन्दर ला सकते हैं। और हम आपको बता दें कि हमारे इतिहास जो लिखे गए उन इतिहास के पन्नों में उन्हीं महान आत्माओं का नाम दर्ज है जिन्होंने अपने मन को परिस्थिति के अनुसार नहीं अपने समय से पहले अपने आपको सम्भाल के रखा। और जब ऐसी परिस्थिति आई तो वो उसमें हिले नहीं। इसी तरह से आज की समस्या, समस्या नहीं है। हमारा मन हमारे लिए समस्या पैदा हो गया है। बस उसमें क्या करना है आपको अच्छे-अच्छे विचारों का एक बहुत बड़ा ज़खीरा पैदा करना है। ज़खीरा क्या पैदा करना है? एक विचार को कम से कम 90 बार, 100 बार ऐसे ही क्रियेट कर दो कि मैं हेल्दी हूँ, मैं स्वस्थ हूँ, मैं शक्तिशाली हूँ, मैं परिस्थितियों पर विजयी हूँ अरे, जो चीज़ होने वाली नहीं है अगर उसको हमने पहले ही सोच लिया तो प्रॉब्लम हो जायेगी ना! तो ऐसे-ऐसे शब्द कुछ आप चुन लें तो आपका मन शक्तिशाली होता चला जायेगा। और इस बात की गैरन्टी भी हम कर सकते हैं कि ये ठीक हो जायेगा। कारण इसका एक है, करना आपको है। इसीलिए गैरन्टी कर रहे हैं। बाकी ऐसा नहीं है कि ये कोई मंत्र है, ये करना पड़ता है। इसको जितनी बार हम सोचेंगे, जितनी बार इस बात को हम क्रियेट करेंगे, उतना हमारा माइंड उस बात को स्वीकार करता चला जायेगा। तो इस तरह से हम अपने मन को बहुत शक्तिशाली तरीके से दुनिया की किसी भी अवस्था से बाहर निकल सकते हैं। हाँ टाइम ज़रूर लगता है लेकिन टाइम इतना भी नहीं लगता कि इससे बाहर न निकला जाये। तो इस तरह से अपने आपको शक्तिशाली बनाएं। और मन की शक्ति को समस्याओं के समाधान में लगायें तो अति उत्तम होगा।

! यह जीवन है !

कई तरह की सेवा होती है, लेकिन मुख्यतः सूक्ष्म(मन-बुद्धि से शुभ भावना) और स्थूल(शरीर की कर्मेन्द्रियों से,धन बल से) सेवा की जाती है। सेवा का भाग्य सबको नहीं मिल पाता और फिर सेवा के भाग्य को हर इंसान समझ भी नहीं पाता। सेवा मिलना और सेवा कर पाना परम सौभाग्य की बात होती है। सेवा से लोगों के दिलों में स्वतः ही जगह बन जाती है। सेवा से आपसी विश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही हमारा यशोगान भी दूर-दूर तक स्वतः ही फैल जाता है, फलतः लोगों की दुआएं हमारे जीवन को सुख-शांति से भरपूर कर देती है।

रतलाम-म.प्र.। भूमि पूजन करते हुए विधायक दिलीप मकवाना, ब्र.कु. मनोरमा बहन, महिला एवं बाल विकास अधिकारी विनीता लोढ़ा, ब्र.कु. रेवती, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. आशा,इंदौर, धर्मेन्द्र भट्ट, पुजारी अशोक भट्ट तथा अन्य भाई-बहनें।

गुरूग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सनसिटी से.-54 द्वारा एस.बी.आई.,गोल्फ कोर्स ब्रांच में आयोजित 'सेल्फ एम्प्लॉयमेंट' विषयक वर्कशॉप में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना तथा काउंसलर एंड ट्रेनर ब्र.कु. सुपर्णा मल्होत्रा ने इस विषय पर सभी कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया व अनुभव साझा किए।

मीरगंज-बिहार। स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र के 13वें वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम में उपस्थित हैं डॉ. दिनेश कुमार, नगर परिषद् उपाध्यक्ष धनंजय कुमार यादव, ब्र.कु. अंगूर बहन, ब्र.कु. कीर्ति बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. उर्मिला बहन तथा अन्य।

कोटा-राज.। जैन धर्म के श्वेतांबर जैन तेरापंथी समाज के 157वें समारोह में मुनि महाप्रज्ञ द्वारा वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. उर्मिला दीदी को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

देसुरी-पाली(राज.)। सरपंच, ग्राम प्रमुख एवं वरिष्ठ जनों की मीटिंग में 'स्ट्रेस फ्री लिविंग' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन। इस अवसर पर बी.डी.ओ. नारायण पुरोहित उपस्थित रहे।

टम्पा-फ्लोरिडा(यू.एस.ए.)। 'रीक्लेमिंग अवर स्पीरिचुअल पावर्स' विषय पर 16 दिवसीय ऑनलाइन संध्याकालीन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें आत्मा की शक्तियों और आत्म-विश्वास को बढ़ाने के लिए हर शक्ति के ऊपर गहन चर्चा हुई।

बहरोड़-राज.। आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् प्रिन्सीपल कालू राम जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना।

पंढ़रपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समाज के लिए किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों हेतु छावा क्रान्तिवीर सेना की ओर से सम्मानित किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से मोमेन्टो एवं सर्टिफिकेट प्राप्त करते हुए ब्र.कु. उज्जवला।

झालरापाटन-राज.। नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा जैन एवं सभी पार्षदों को सम्मानित करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. मीना दीदी।

व्यारा-गुज.। 'सम्बंधों में सच्चा स्नेह' विषय पर आयोजित वक्तृत्व स्पर्धा में प्रथम आने वाली देवांशी मंडानी को पुरस्कृत करते हुए ब्र.कु. अरुणा बहन।